भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या : 451

बुधवार, 02 अप्रैल, 2025 को उत्तर देने के लिए

अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित स्टार्टअप

***451. श्री शंकर लालवानी:**

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या वर्ष-दर-वर्ष बढ़ रही है और कई स्टार्टअप उक्त क्षेत्र में रुचि दिखा रहे हैं;
(ख) क्या सरकार का कोई विशेष स्टार्टअप प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू करने का विचार है;
(ग) उक्त क्षेत्र से संबंधित प्रारंभिक वित्तपोषण और अन्य विशेषताओं का ब्यौरा क्या है; और
(घ) अब तक कितने स्टार्टअप को सहायता प्रदान की गई है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) से (घ) इस संबंध में सभा के पटल पर विवरण प्रस्तुत है।

***

"अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित स्टार्टअप" के संबंध में बुधवार, 02 अप्रैल, 2025 को उत्तर देने हेतु श्री शंकर लालवानी द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या 451 के जवाब में लोक सभा के पटल पर प्रस्तुत विवरण।

(क) एवं (ख)
जी हां, भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप्स की संख्या वर्ष-दर-वर्ष बढ़ रही है और अनेक स्टार्ट-अप्स उक्त क्षेत्र में रुचि दिखा रहे हैं तथा इन-स्पेस के पास निम्नलिखित अंतरिक्ष स्टार्ट-अप प्रोत्साहन कार्यक्रम/योजनाएँ हैं :

1. इन-स्पेस की सीड फंड योजना भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप्स को नवीन अवधारणा के साथ प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह योजना इन स्टार्ट-अप्स को नए विचार प्रदर्शित करने और उन्हें अगले स्तर पर ले जाने में सक्षम बनाती है। चयनित स्टार्ट-अप्स को उपलब्धियों के आधार पर तीन या उससे अधिक किस्तों में अधिकतम 1 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा।
2. इन-स्पेस विभेदी मूल्य निर्धारण नीति के अंतर्गत अंतरिक्ष स्टार्ट-अप्स को अंतरिक्ष विभाग/इसरो की विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठाने/उपयोग करने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और प्रमोचन सेवाओं के लिए रियायती मूल्य सहायता प्रदान की जाती है।
3. इन-स्पेस का उद्देश्य अंतरिक्ष उत्पादों को विकसित करने के लिए गैर-सरकारी संस्थानों एनजीईआई (भारतीय प्रबंधन एवं नियंत्रण के अंतर्गत एनजीई) को बढ़ावा देकर अंतरिक्ष प्रणाली में वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित करना है, जिससे वैश्विक और घरेलू अंतरिक्ष क्षेत्र की मांगों को पूरा करने हेतु उत्पादन को बढ़ाया जाएगा। इस प्रयास के भाग के रूप में, अंतरिक्ष क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण के संचालन हेतु डिज़ाइन की गई एक वित्तपोषण योजना, प्रौद्योगिकी अंगीकरण निधि (टीएएफ), की स्थापना की गई है।
4. उपर्युक्त के अलावा, संबंधित अंतरिक्ष क्षेत्र में कौशल विकास कार्यक्रमों के साथ-साथ अंतरिक्ष स्टार्ट-अप्स को परामर्श सहायता भी प्रदान की जाती है।

(ग) इन-स्पेस सीड फंड योजना उन अंतरिक्ष स्टार्ट-अप्स तथा सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों (एमएसई) को सहायता प्रदान करने के लिए बनाई गई है, जिनका उद्देश्य अभिनव अंतरिक्ष उत्पाद और सेवाएँ विकसित करना है। योग्य आवेदकों में शुरूआती चरण के ऐसे स्टार्ट-अप्स तथा सूक्ष्म एवं लघु उद्योग (एमएसई) शामिल हैं, जिनके पास नए विचार और परियोजनाएँ हैं, जो अंतरिक्ष क्षेत्र में ऊर्ध्व प्रवाह/मध्य प्रवाह और अनुप्रवाह चुनौतियों का समाधान करने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करती हैं। सीड फंड चयनित आवेदकों को उनके विचारों को साकार करने और परियोजनाओं को शुरू करने में मदद करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इस सहायता में फंडिंग, मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग के अवसरों तक पहुँचना शामिल होगा।

(घ) इन-स्पेस सीड फंड योजना के तहत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कृषि, आपदा प्रबंधन और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने के लिए इन-स्पेस ने छ: भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप्स को अनुदान प्रदान किया है।

***